समाचार

भारत में कृषिवानिकी क्षेत्रफल के मूल्यांकन विषय पर कार्यशाला सम्पन्न

06.10.2017

केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान, संस्थान में आज कृषिवानिकी क्षेत्रफल के मूल्यांकन विषय पर कार्यशाला सम्पन्न हुई।

कार्यशाला के मुख्य अतिथी डॉ.अनिल कुमार सिंह सेवानिवृत्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (असम) ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने हर मेड़ पर पेड़ का आवाहन करते हुए वृक्षों के महत्व को रेखांकित किया है। डॉ.सिंह ने कहा कि कृषिवानिकी के प्रचार-प्रसार में वन निती एवं कानून के चलते किसान भाई अपने खेत में पेड़ लगाने से हिचकते हैं। उत्तर प्रदेश सरकार की हाल की जारी निती ने जिससे कि किसानों को बिना अनुमति पेड़ काटने की मंजूरी दी गई हैं जिसमें 62 जिलों में 5, 13 जिलों में 7 प्रजती प्रतीबंधित होगी। केवल आम, नीम, साल, मऊआ, खैर, सागौन और शीशम काटने को अनुमति लेनी होगी। उन्होंने ने लोगों की जरूरत के आधार पर कृषिवानिकी हेतु क्षेत्रफल का मूल्यांकन कर उसमें वृक्ष लगाने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथी डॉ.आर. वी. कुमार निदेशक ग्रासलैण्ड ने कहा कि कृषिवानिकी क्षेत्रफल का मूल्यांकन करना एक चुनौती है तथा इसे हमें एक अच्छा अवसर मानने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथी डॉ.ए. के. रॉय प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर- चारा फसल, ग्रासलैण्ड ने कहा कि मूल्यांकन करने का तरीका एकदम सटीक होना चाहिए जिससे किसी प्रकार की त्रुटी न हो।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डा. ओ.पी. चतुर्वेदी ने संस्थान की गतिविधियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यशाला में 8 संगठनों से 25 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषिवानिकी क्षेत्रफल का मूल्यांकन करना हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि एक-तिहाई वन क्षेत्र पूरा करने के लिए कृषिवानिकी का योगदान अति महत्वपूर्ण है।

कार्यशाला के तकनीकी सत्र प्रथम के अध्यक्ष डॉ.ए. के. सिंह उपाध्यक्ष, डॉ.गिरीश पुजार रिपोर्टीयर डा. आर. एच. रिजवी और जे. पी. सिंह रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत श्री राजेश श्रीवास्तव द्वारा आई.सी.ए..आर. कुलगीत प्रारंभ से हुई। इस अवसर पर डॉ.गंगवार, डॉ.आर. एस. यादव, डॉ.जे.पी. सिंह, डा. आर. पी. द्विवेदी, डॉ. आर. के. तिवारी, डा. राम नेवाज आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डा. रमेश सिंह एवं धन्यवाद प्रस्ताव कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आर. एच. रिजवी द्वारा किया गया।